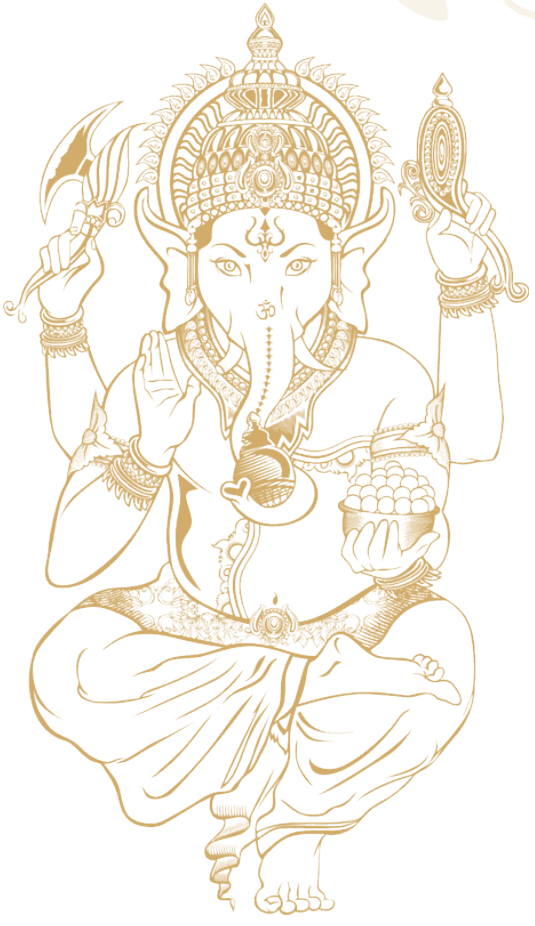

Nnn

15 Mar 2026

10:30 AM

Hyderabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121637510

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/03/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**10:30:00 घंटे**
इष्ट	10:13:04 घटी
स्थान	**Hyderabad**
राज्य	Telangana
देश	India

अक्षांश	17:22:00 उत्तर
रेखांश	78:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:13:44 घंटे
वेलान्तर	-00:08:57 घंटे
साम्पातिक काल	21:45:00 घंटे
सूर्योदय	06:24:46 घंटे
सूर्यास्त	18:25:57 घंटे
दिनमान	12:01:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	00:23:34 मीन
लग्न के अंश	10:54:50 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शिव
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिली
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	10:54:50	364:20:16	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			मीन	00:23:34	00:59:49	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			मक	12:59:06	12:38:47	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	15:42:40	00:47:14	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	15:53:19	00:34:56	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	20:53:21	00:00:48	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	16:39:33	01:14:26	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:13:49	00:07:26	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:43:23	00:01:38	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:43:23	00:01:38	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:53:37	00:01:57	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:20:38	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:39:47	00:01:22	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मक	29:42:50	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

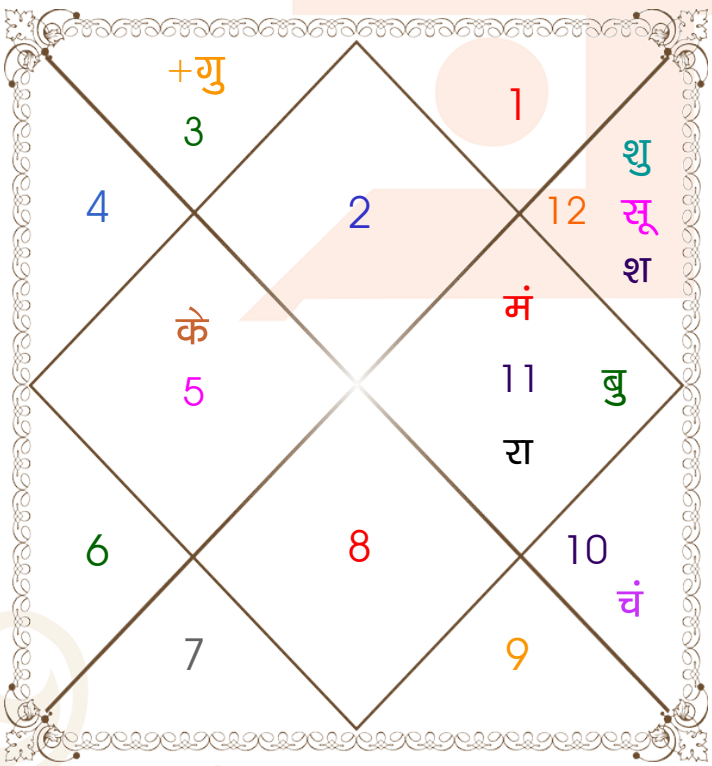

चन्द्र कुंडली

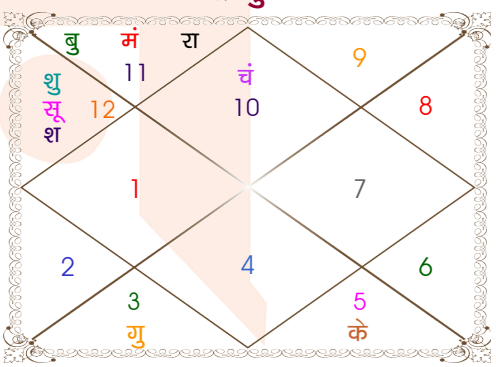

नवमांश कुंडली

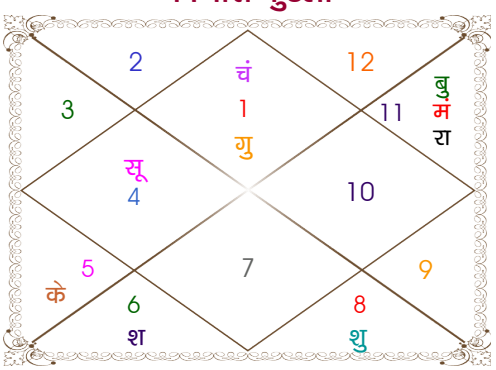

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 9 मास 4 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/03/2026		18/12/2033		17/12/2040		18/12/2058		18/12/2074	
18/12/2033		17/12/2040		18/12/2058		18/12/2074		18/12/2093	
	00/00/0000	मंगल	16/05/2034	राहु	31/08/2043	गुरु	04/02/2061	शनि	21/12/2077
	15/03/2026	राहु	03/06/2035	गुरु	23/01/2046	शनि	18/08/2063	बुध	30/08/2080
राहु	18/11/2026	गुरु	09/05/2036	शनि	29/11/2048	बुध	23/11/2065	केतु	09/10/2081
गुरु	19/03/2028	शनि	18/06/2037	बुध	19/06/2051	केतु	30/10/2066	शुक्र	08/12/2084
शनि	18/10/2029	बुध	15/06/2038	केतु	06/07/2052	शुक्र	30/06/2069	सूर्य	20/11/2085
बुध	19/03/2031	केतु	11/11/2038	शुक्र	07/07/2055	सूर्य	18/04/2070	चंद्र	22/06/2087
केतु	18/10/2031	शुक्र	12/01/2040	सूर्य	31/05/2056	चंद्र	18/08/2071	मंगल	30/07/2088
शुक्र	18/06/2033	सूर्य	18/05/2040	चंद्र	29/11/2057	मंगल	24/07/2072	राहु	06/06/2091
सूर्य	18/12/2033	चंद्र	17/12/2040	मंगल	18/12/2058	राहु	18/12/2074	गुरु	18/12/2093

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
18/12/2093		19/12/2110		19/12/2117		19/12/2137		19/12/2143	
19/12/2110		19/12/2117		19/12/2137		19/12/2143		00/00/0000	
बुध	15/05/2096	केतु	17/05/2111	शुक्र	19/04/2121	सूर्य	07/04/2138	चंद्र	19/10/2144
केतु	13/05/2097	शुक्र	16/07/2112	सूर्य	19/04/2122	चंद्र	07/10/2138	मंगल	20/05/2145
शुक्र	13/03/2100	सूर्य	21/11/2112	चंद्र	19/12/2123	मंगल	12/02/2139	राहु	16/03/2146
सूर्य	18/01/2101	चंद्र	22/06/2113	मंगल	17/02/2125	राहु	06/01/2140		00/00/0000
चंद्र	19/06/2102	मंगल	18/11/2113	राहु	18/02/2128	गुरु	25/10/2140		00/00/0000
मंगल	17/06/2103	राहु	07/12/2114	गुरु	19/10/2130	शनि	07/10/2141		00/00/0000
राहु	03/01/2106	गुरु	13/11/2115	शनि	19/12/2133	बुध	13/08/2142		00/00/0000
गुरु	10/04/2108	शनि	21/12/2116	बुध	19/10/2136	केतु	19/12/2142		00/00/0000
शनि	19/12/2110	बुध	19/12/2117	केतु	19/12/2137	शुक्र	19/12/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 8 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के प्रथम चरण में होना आपके उज्जवल भविष्य का द्य ोतक है। जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ मेष राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण उदित था। परिणामस्वरूप आपका भविष्य पूर्णता युक्त एवं अन्य ग्रहों के सुप्रभाव से राजयोग का निर्माता है। अस्तु आपका जीवन स्तर बहुत उत्तम रहेगा। आपके जन्म का स्वरूप पूर्णतः आपके अनुकूल प्रतीत होता है। आप अपने जीवन का नेतृत्व कर, सुखद एवं सरलता पूर्वक धन संपत्ति से युक्त तथा आनंददायक पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगी। आपकी राशि का प्रतीक बैल है। जो आपमें ईश्वरीय प्रदत्त सदगुणों की समृद्धता प्रकट करता है। आप मृदुभाषी एवं सत् चित्त युक्त है, तथा आप बिना किसी के सहयोग से नहीं मात्र अपने प्रयास से उन्नति प्राप्त करेंगी। क्योंकि यह गुण आप में विद्यमान है। अन्य की तुलना में आप भक्ति भावना से युक्त हैं, तथा आप में गंभीर विषयों के संपादन का निर्देशन शक्ति परिलक्षित होता है।

बुनियादी तौर पर आप किसी के भी साथ व्यक्तिगत रूप से शांतिपूर्ण प्रेमसंबंध स्थापित करती हैं। आप दूसरों के वाद-विवाद से बच कर अथवा प्रेम संबंध में मध्यस्थता नही चाहती हैं। परंतु यदि कोई किसी भी अवसर पर आपको उत्तेजित करता है, प्रतिक्रिया स्वरूप आप उस पर हिंसात्मक प्रहार करती हैं। आपको पूर्ण रूपेण इस प्रवृत्ति को त्याग कर, अपने आवेग को नियंत्रित रखना चाहिए।

आपकी विस्तृत मित्र या मित्र मंडली के द्वारा उत्कृष्ट धन या भूमि का लाभांश की प्राप्ति सहयोगात्मक भावना से युक्त होकर अंतर आत्मा से सहायता आवश्यक है।

आप पूंजी निवेश, कठिन परिश्रम तथा सुनियोजित कार्यक्रम द्वारा अधिक धन संग्रह करेंगी। परंतु आप इस प्रकार के समतल आय से संतुष्ट नही होंगी। क्योंकि वास्तव में आपका संबंध क्षेत्र विस्तृत है। इसलिए आप उच्चशिखर तक धन संपत्ति संग्रह करना चाहती हैं।

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि आपमें पूर्ण रूपेण धन लो लुप्तता विद्यमान है। प्रायः आपकी कृपणता पर ही आपका अस्तित्व निर्भर करता हैं क्योंकि आपकी मुट्ठी बंधी हुई अर्थात् हृदय अनुदार है।

शारीरिक रूप से आप मध्यम कद की साथ ही चौड़े कंधे एवं उन्नत मांसल स्वस्थ्य एवं प्रसन्नचित्त मुखाकृति की प्राणी होंगी। आपका ललाट उन्नत, गर्दन झुकी हुई एवं आंखें चमकीली होगी। आपका पारिवारिक वातावरण अन्यों द्वारा इर्ष्यायुक्त रहेगा। आपके पति की स्नेहमय प्रवृत्ति से आपका घरेलू जीवन प्रसन्नता पूर्ण एवं सगे संबंधियों के साथ प्रगाढ़ मैत्रीपूर्ण तथा सुव्यवस्थित संबंध रहेगा। आप अपने (घर) भवन की सजावट अच्छे-अच्छे साज शय्याओं से युक्त तथा शरीर के लिए आरामदायक वस्तुओं से सुसज्जित रखेंगी। वर्त्तमान काल रंग-बिरंगे चित्रों को पंक्तिबद्ध तरीके से बहुत मात्रा में सुव्यवस्थित ढंग से अपने घर में लगाती हैं।

इसके अतिरिक्त आप पूर्णरूपेण स्वस्थ शरीर धारण कर, जीवन का उत्तम आनंद प्राप्त करेंगी। आयु वृद्धि के साथ-साथ आप गले रोग, कफ एवं शीतप्रकोप, पैर की सूजन आदि रोगों की संभावना के प्रति सतर्क रहें।

आपके लिए व्यवसायिक कार्य हेतु जलीय वस्तुओं का व्यवसाय जैसे मोती, मछलीपालन, सिंघाड़े की खेती आइस क्रीम व्यवसाय, प्रॉप्रार्टी डीलरशिप, भवन संबंधी कार्य एवं ऑटोमोबाइल्स तथा पेट्रोल संबंधित कार्य अनुकूल रहेगा।

आपके लिए भाग्यशाली एवं प्रभावशाली अंक 2 एवं 8 अंक है। अंक 7 एवं 9 अंक भी आपके लिए आकर्षक अंक है। परंतु अंक 5 आपके लिए अनुकूल नही रहेगा। अस्तु इस तारीख से सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए रंग (श्वेत) सफेद गुलीबी, एव हरा रंग अनुकूल है। परंतु लाल रंग आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है।